[This question paper contains 9 printed pages.]

6608 *Your Roll No.* .....

आपका अनुक्रमांक _____

M.A. Part-II **J**

HISTORY—Group A — Course 14

(Indian Epigraphy from c. A.D. 550)

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 75*

समय : 3 घण्टे *पूर्णांक : 75*

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note :- Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :- इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt **Four** *questions in all.*
Question No.1 is compulsory
All *questions carry equal marks.*

किन्हीं **चार** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*
प्रश्न क्रमांक 1 अनिवार्य है।
सभी *प्रश्नों के अंक समान हैं।*

P.T.O.

1. Comment with reference to the context, on any **three** of the following:

निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर सप्रसंग टिप्पणी कीजिए ·

(i) तस्यानुजः ... श्रावस्तीभुक्तौ कुण्डधानीवैषयिक सोमकुण्डिकाग्रामे समुपगतान् महासामन्त महाराज - दौ - स्साधसाधनिक - प्रभातृ - राजस्थानीय - कुमारामात्योपरिक - विषयपति - भट - चाट - सेवकादीन्प्रति वासिजानपदाश्च समाज्ञापयत्यस्तु वः सम्विदितमयं सोमकुण्डिका ग्रामो ब्राह्मण वामरथ्यैन कूटशासनेन भुक्तक इति विचार्य यतस्तच्छासनं भङ्क्त्वा तस्मादाक्षिप्य च स्व - सीमा - पर्यन्तः सोद्रङ्ग सर्व्वराजकुला - भाण्य - प्रत्याय समेतः परिहृत सर्वपरिहारः विषयादुद्धृत - पिण्डः .. भूमिच्छिद्रन्यायेन मया ... प्रतिग्रहधर्म्मेणाग्रहारत्वेन प्रतिपादितः।

His younger brother ... addresses (this) order to the mahasamanta, maharaja, daussadhasadhanika, pramatr, rajasthaniya, kumara, amatya, uparika, vishayapati, bhata and chata, servents and others, as well as to the provincials of the neighbourhood, assembled in the village of Somakundika which belongs to the Visaya of Kundadhani in the bhakti of Shravasti:

Be it known to you that having considered that this village Somakundika has been enjoyed by the Brahman Vamarathya on the strength of a forged edict, having therefore broken that edict and having taken (the village) from him, I have granted it, up to

its boundaries, together with the udraṇga, together with (the right to) all the pratyāya, which ought to accrue to the house of the king, endowed with all parihāras, separated from the visaya, in accordance with the bhūmichchhidranyāya as a duly accepted agrahāra.

उनका छोटा भाई ... श्रावस्तीमुक्ति के कुण्डधानी विषय से सम्बद्ध सोमकुण्डिका ग्राम में इक्ट्ठे हुए महासामन्त, महाराजा, दौः साधसाधनिक, प्रमातार, राजस्थानीय, कुमार, अमात्य, उपरिक, विषयपति, चाट, भट, सेवकों (आदि) अन्यों तथा पड़ोसी जनपद के निवासियों को (इस) आदेश की सूचना देता है:

आपको विदित हो कि इस (बात) पर विचार कर के कि सोमकुण्डिका ग्राम का उपभोग ब्राह्मण वामरथ्य द्वारा एक कूट शासन के बल पर किया जाता रहा है। इसलिए उस शासन को नष्ट करके तथा उससे उस (गाँव) को लेकर हमने इसे इसकी सीमा-पर्यन्त उद्रङ्ग और राजकुल को दिए जाने वाले प्रत्यायों समेत सभी परिहारों से मुक्त, विषय से अलग करके भूमिच्छिद्रन्याय के अनुसार प्रतिग्रहधर्म्म के अनुकूल अग्रहार के रूप में दे दिया है।

(ii) जित्वान्ध्राधिपतिं सहस्रगणितत्रेधाक्षरद्वारणम्
व्यावल्गन्नियुतातिसंख्य तुरगान्भंक्त्वा रणे शूलिकाम्।
कृत्वा चायतिमौचितस्थलभुवो गौडान्समुद्रोश्रया-नध्यासिष्ट
नतक्षितीशचरणः सिंहासन यो जिती।।

P.T.O.

The victorious one occupied the throne after having defeated the lord of the Andhra, who had thousands of three - fold rutting elephants, vanquished the shulikas who had a cavalry of countless galloping horses, and made the Gauda people take shelter towards the sea-shore, after causing their territories to be deprived of their future prospects.

उस विजयी राजा ने आन्ध्र के अधिपति की सेना में हजारों पंक्तियों में तैनात मदस्रावी हाथियों को जीतकर; शलिकों को जिनकी सेना में असंख्य टाप भरने वाले अश्व सम्मिलित थे - परास्त कर; तथा गौड़ों को समुद्रतट पर आश्रय लेने और उनको अपनी ज़मीन को छोड़ देने के लिए बाध्य करके सिंहासन पर अपने को अभिषिक्त किया।

(iii) यो मौखरेः समितिषूद्धत हूणसैन्या
वल्गद्घटा विघटयन्नुरुवारणानाम् ।
सम्मूर्च्छितः सुखधूर्वरयन्ममेति
तत्पाणि पङ्कजसुखस्पर्शाद्विबुद्धः।।

Who, breaking up proudly roaring array of the mighty elephants of the Maukhari, who had thrown aloft in battle the Hūnas, became unconscious and then was revived by a pleasing touch of the lily like hands of the divine damsels making a choice among them saying 'this one is mine'.

जो कि उद्धत हूण सेना वाले मौखरि से युद्ध में उसके गरजते हुए हाथियों की घटा को विघटित करते हुए मूर्च्छित होकर

सुर-वधुओं के कर-कमलों के सुखद स्पर्श से 'यह मेरी है' कहकर उनमें से चुनते हुए प्रबुद्ध हुआ।

(iv) स यदुपचितमन्त्रोत्साहशक्ति प्रयोगक्षपितबलविशेषो मङ्गलीशस्समन्तात्।
स्वतनयगतराज्यारम्भयत्नेन सार्द्धं
निजय तनु च राज्यञ्जीवितञ्चोइझति स्म।।

That Mangalish, whose great strength became weak on all sides by the application of mantra and utsaha shakti gathered by him, abandoned together with the effort to secure the kingdom for his own son, both, that no mean kingdom and his life.

उसके द्वारा अर्जित मन्त्रशक्ति और उत्साह-शक्ति के प्रयोग से क्षीण हुए विशेष बल वाले मङ्गलीश को अपने पुत्र को राज्य देने के साथ ही अपना विस्तृत राज्य और प्राण भी गँवाने पड़े।

(v) पेटविक- वारिकेण पंच-रात्रके पंच-रात्रके कर्त्तव्यमर्घ्य निवेदनम् अनिवेदयतो विनये रुपका: षड्धार्म्मिके पाद: उत्तर-कुलिक-वारिकै: मान-भाण्ड-मेय-गते वहिर्न्न गन्तव्यम्। (उत्तर-कुलिक-वारिकाणामेव करण-संनिधौ छात्रेण) त्रिराधुषितानां निरुपस्थानाद्विनये रुपक-द्वयं स-पांद सह धार्म्मिकेण।

The Petavika-Vārika is to submit the argha every five days, for failure to submit Rūpakas six a

Dharmika of a quarter as Vinaya. The Uttara-Kulika-Varikas are not to go forth in case of the loss of Mana, Bhāṇḍa and Meya. If the Uttara-Kulika-Varikas do not turn up before the Karaṇa after the chhātra has called out their names thrice, the default is punishable by a Vinaya of Rūpakas two and a quarter inclusive of Dhārmika.

पेटविक-वारिक को हर पाँचवें दिन अर्घ का निवेदन करना चाहिए। सूचित न करने पर रुपक छह और धार्मिक एक चौथाई विनय के रुप में। मान, भाण्ड और मेय के खो जाने पर उत्तर-कुलिक-वारिक को बाहर नहीं जाना चाहिए। छात्र द्वारा तीन बार नाम पुकारे जाने पर उत्तर-कुलिक-वारिक के करण के सम्मुख उपस्थित न होने के अपराध पर दो रुपक और धार्मिक एक चौथाई विनय के रुप में।

(vi) अथेह सीयडोणि समावासितमहाप्रतिहारसमधिगतसेषमहाशब्द महासामन्ताधिपति श्री उन्दभट: समस्तं राजपुरुषान्बोधयति विदितमस्तु भवतां अस्मिन् पत्तने नेमकवणिक चण्डुक प्रतिष्ठापित-विष्णुभट्टारकस्यास्मामि: परलोक नि:श्रेयसार्थं पुण्यशोभिवृद्धये यौवनधनजीवितानि नलिनीदलगतजललवतरलतराणि लक्ष्य अक्षयनीवीयं निवेदिता। सीयडोणिसत्कमण्डपिकायां प्रतिदिनं पञ्चियकद्रम्मसत्कपादमेकं दातव्यं क्षय दिनं प्रति मुद्रयित्वा युगै का देया।

Encamped here, at Siyadoṇi, the Mahāpratihara, the recipient of all the Mahāshabdas, the Mahāsāmantādhipati, Shri Undabhaṭa informs all the Rājaputras, be it known to all of you that having seen that the youth, riches and life are (transitory) just like the trembling water on the petals of a lotus, we have submitted this akshayanivi to the lord Vishṇu, set up by the salt merchant Chandūka in this Pattana for the good in the other world and for the enhancement of merit and fame. Everyday the payment of a quarter of Pañchiyaka Dramma and of one (stamped) yugā should be in the Siyadoṇi-Satka Mandapikā.

यहाँ सीयडोणि में स्थापित महाप्रतीहार, समस्त महाशब्दों को अर्जित कर लेने वाले सामन्ताधिपति श्री उन्दभट सभी राजपुत्रों को सूचित करते है, आप सब लोगों को विदित हो कि इस पत्तन में नमक व्यापारी चण्डुक द्वारा प्रतिष्ठापित विष्णु भट्टरक के हेतु हम लोगों ने परलोक में कल्याण तथा पुण्य एवं यश की अभिवृद्धि के लिए, यह देखकर कि यौवन, धन और जीवन कमल के पत्ते पर पड़े दोलायमान जल के समान (क्षणभंगुर) है, इस अक्षयनीवी को समर्पित किया। प्रतिदनि पञ्चीयक द्रम्म का एक चौथाई तथा (मुद्रित) एक युगा सीयडोणि-सत्क मण्डपिका में जमा करना चाहिए।

2. What do you know about the origins and methods of reckoning of different eras used in the ancient Indian Epigraphy? Discuss with special reference to the inscriptions you have studied.

प्राचीन भारतीय अभिलेख में विभिन्न संवतों तथा काल-गणना की पद्धतियों के विषय में आप क्या जानते है? अपने पढ़े हुए अभिलेखों के विशेष संदर्भ में विवेचना कीजिए।

3. Explain the purport and significance of the depiction of the Kali age in the Haraha stone Inscription of Adityasena.

आदित्यसेन के शिला अभिलेख में चित्रित कलियुग के अभिप्राय तथा महत्त्व की व्याख्या कीजिए।

4. Determine the state of trade and traders of Lohata as described in the charter of Vishnushena.

विष्णुषेण के चार्टर में परिलक्षित लोहट के व्यापार और व्यापारियों की स्थिति को सुनिश्चित कीजिए।

5. Trace the history of the rise and expansion of the Gurjara-Pratiharas on the basis of their three inscriptions prescribed in your course.

आपके पाठ्यक्रम में निर्धारित उनके तीनों अभिलेखों आधार पर गुर्जर-प्रतीहारों के उत्कर्ष और विस्तार का चित्रण कीजिए।

6. What kind of social formation and economy are known from the study of the khalimpur copper plate Inscription of the Pala ruler Dharampaladeva or the Siyadoni Stone Inscription? Ellucidate.

पाल शासक धर्मपाल देव के खलीमपुर ताम्र-पत्र अभिलेख अथवा प्रतीहार राजा के सीयडोणि अभिलेख के अध्ययन से किस प्रकार की सामाजिक संरचना और अर्थव्यवस्था का पता चलता है? स्पष्ट कीजिए।

7. Examine the various theories about the origin of Gāhadavalas. Analyse the inherent historical information gleaned from the Chandrāvati copper Plate inscription of Vikrama Samvata 1150.

गाहड़वालों की उत्पत्ति के विषय में विभिन्न मतों का परीक्षण कीजिए। विक्रमसंवत 1150 वाले चन्द्रावती ताम्र-पत्र अभिलेख से ज्ञात ऐतिहासिक सूचनाओं का विश्लेषण कीजिए।

8. Write short notes on any **three** of the following:
   (i) Vallabhi
   (ii) Suvarnadvipa
   (iii) Isānavarmā
   (iv) Badami
   (v) Amoghavarsa I
   (vi) Hiranya

निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणियां लिखिए :
   (i) वल्लभी
   (ii) सुवर्णद्वीप
   (iii) ईशानवर्मा
   (iv) बादामी
   (v) अमोधवर्ष I
   (vi) हिरण्य ।